B.A.- I CBCS Pattern Semester-I

BA12B-3 - Hindi Literature

P. Pages : 2 **GUG/W/23/10012**

Time : Three Hours * 5 3 8 1 * Max. Marks : 80

सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किसी एक** ही प्रश्न का दीर्घोत्तरी उत्तर लिखिए। **20**

अ) 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक की कथावस्तु लिखिए।

अथवा

ब) अरविन्द का चरित्र - चित्रण किजिए।

2. निम्नलिखित **किसी एक** ही समूह के सभी अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या किजिए। **20**

समूह 'अ'

क) कान पक गए तुम्हारी बातें सुनते-सुनते। कहाँ तो सोचता था कि साल दो साल में तुम प्रिंसिपल बनोगे और मैं वाइस प्रिंसिपल । और कहाँ तुमने यह हंगामा खडा कर दिया। पहले अपनी चमडी बचाओ और तब लगाओ हाथ दूसरों को।

ख) हाँ, यह हुई न बात। केवल औरत ही मर्द को समझा सकती है। कहो उससे - नौकरी करना सीखे। अब अपनी तारीफ अपने मुह क्या करुँ। तीस साल नौकरी की। पूरे तीस साल। चुंगी-नाके के मुहर्रिर से बढता-बढता प्रिंसिपल हो गया। लडता तो क्या बनता? लडो मत-झुको। सोचो मत-मानो। समझी? तो समझाना। मैं चलता हुँ।

ग) आ गए तुम! देखो न, दुध के लिए हठ कर रहा था। सिर पटक पटक कर प्राण दे रहा था। ले, पी। अब रोएगा तो देखना। हठी कहीं का! गोरस कैसा लगा, बेटे?

घ) एकलव्य का अँगूठा बने रहने का अर्थ समझते हो? धनुर्विद्या पर उसका अधिकार हो जाएगा। धीरे-धीरे उसकी जाति का अधिकार हो जाएगा। शक्तिशाली होने के बाद ये क्षत्रियों से स्पर्धा करेंगे और परिणाम होगा-वर्णाश्रम धर्म पर संकट। उसका अँगूठा छीनकर मैं इन संभावनाओं को हमेशा के लिए समाप्त कर दुँगा समझे?

अथवा

समूह 'ब'

च) क्योंकि मैं संसार के सबसे बडे धनुर्धर को अपनी आँखों से देख चुका हुँ। भविष्य में जब कभी मुझे कोई संसार का सबसे बडा धनुर्धर कहेगा तो उस समय एकलव्य का गरम खून से सना हुआ पंजा मेरा मजाक उडाएगा। गुरूदेव, मैं अपनी अपराध-भावना को कभी नहीं जीत सकुँगा।

छ) जब मेरे माता-पिता बात को बढाना ही नहीं चाहते तो रिपोर्ट क्यों करेंगे? उन्होंने तो मुझसे भी साफ कह दिया है कि यदि मैंने रिपोर्ट पर जोर दिया तो मुझे घर से बाहर निकाल देंगे।

ज) कह तो रहा हुँ, आत्मज्ञान हो गया है मुझे। अपने क्षुद्र होने का आत्मज्ञान। सडे हुए आटे में बिलबिलाने वाला कीडा होने का आत्मज्ञान। प्रेसिडेंट के फोन ने मुझे अपनी तस्वीर दिखा दी। समझौते के फंदे पर अपने आपको पच्चीसों बार लटकाने वाला मैं --------- दूसरों की नक़ाब उतारने की कोशिश में खुद नंगा हो जाने वाला मैं ------- मुझ पर थूको।

झ) तू द्रोणाचार्य है। व्यवस्था और सत्ता के कोडों से पिटा हुआ द्रोणाचार्य-इतिहास की धार में लकडी की ठुँड की तरह बहता हुआ, वर्तमान के कगार से लगा हुआ-सडा गला द्रोणाचार्य। व्यवस्था के लाइटहाउस से अपनी दिशा माँगने वाले टूटे जहाज सा द्रोणाचार्य।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **15**

1) महाकाव्य के तत्व लिखिए।

2) उपन्यास व कहानी में अन्तर स्पष्ट किजिए।

3) नाटक के तत्व लिखिए।

4) एकांकी एवं नाटक में अन्तर स्पष्ट किजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्ही तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **15**

1) मीराबाई का जीवन-परिचय लिखिए।

2) प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय दीजिए।

3) अमृता प्रीतम का संक्षिप्त जीवन परिचय दीजिए।

4) प्रल्हाद केशव अत्रेजी का हिन्दी को योगदान बतलाइए।

5. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के अति-संक्षिप्त उत्तर लिखिए। **10**

1) रामकुमार वर्मा की साहित्यिक रचनाओं के नाम लिखिए।

2) गीतिकाव्य का अर्थ स्पष्ट किजिए।

3) खण्डकाव्य किसे कहते है?

4) अनुराधा की मृत्यु कैसे हुई?

5) लीला कौन थी परिचय दीजिए।

****